अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

प्रिय शेयरधारकों,

बैंक की उन्नीसवीं वार्षिक बैठक में आपका स्वागत करते हुए और वित्त वर्ष 2014-15 के लिए आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है.

इस महान संस्था के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में मैं आपको लगातार तीसरे वर्ष संबोधित कर रहा हूं.

वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान, भारतीय बैंकिंग क्षेत्र ने, अर्थव्यवस्था पर दबाव के कारण बढ़ते गैर निष्पादक आस्तियों, एक तरफ अटकी हुई मूलभूत परियोजनाओं तो दूसरी तरफ साख की खराब मांग के रूप में बहुत बड़ी चुनौतियों का सामना किया. इन चुनौतियों ने बैंकिंग क्षेत्र के विकास और लाभप्रदता पर जबरदस्त दबाव डाला.

तथापि, सतत भरोसे, प्रोत्साहन, सभी शेयरधारकों के अत्यधिक सहयोग के साथ आपके बैंक ने वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान समुत्थान शक्ति प्रदर्शित किया तथा यथोचित अच्छा प्रदर्शन किया.

वर्ष के दौरान, भारत सरकार ने आपके बैंक को दक्षता मापदण्ड जैसे कि आस्तियों पर प्रतिलाभ और इक्विटी पर प्रतिलाभ के आधार पर ₹ 140 करोड़ की पूंजी प्रदान करने हेतु चयनित किया. इसके अतिरिक्त बैंक ने बेसल III अनुपालित अतिरिक्त टीयर I बांड में ₹ 400 करोड़ जुटाए. इस प्रकार पूंजी में वृद्धि से बैंक ने अपने कारोबार का विस्तार किया और कठोर बेसल III मानदंडों के अंतर्गत पूंजी पर्याप्तता अनुपात भी बनाए रखा.

वर्ष 2014-15 के दौरान बैंक के निष्पादन की विशेषताएं आपके समक्ष रखने से पूर्व मैं आपको आर्थिक और वित्तीय वातावरण के बारे में भी जानकारी देना चाहता हूं, जिसका बैंक के समग्र निष्पादन पर व्यापक प्रभाव पड़ा.

वैश्विक आर्थिक वातावरण

वैश्विक अर्थव्यवस्था गति प्राप्त करने के लिए अभी भी संघर्षरत है क्योंकि कई उच्च आय वाले देश वैश्विक वित्तीय संकट के परंपराओं में लगातार जकड़े हुए हैं तथा उभरती अर्थव्यवस्थाओं की गति पहले की तुलना में कमजोर रही.

2014 में वैश्विक विकास दर पहले सोचे गए के मुकाबले कम रहा. लेकिन 2.60% रहते हुए यह 2013 से थोड़ा अधिक था. यह प्रवृत्ति जारी रहते हुए राजकोषीय वर्ष 2015 में, वैश्विक अर्थव्यवस्था 3.50% तक बढ़ने की संभावना है.

घरेलू आर्थिक परिदृश्य

वित्तीय वर्ष 2014-15 में, भारतीय अर्थव्यवस्था, नियंत्रित मुद्रास्फीति, घरेलू मांग में वृद्धि, निवेश में बढ़ोतरी, तेल कीमतों में कमीं और सुधार के दृष्टिगत, आशाजनक आर्थिक परिदृश्य के साथ बड़े अर्थव्यस्थाओं में से एक के रूप में उभरी है.

सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, वित्तीय वर्ष 2013-14 के 6.90% की तुलना में वित्तीय वर्ष 2014-15 में 7.40% की संभावना है. कुछ क्षेत्रों द्वारा जोड़े गए सकल मूल्य में वृद्धि निम्न प्रकार है : कृषि 1.10%, विनिर्माण 6.80%, व्यापार, परिवहन और संचार 8.40%, वित्त 13.70% और लोक प्रशासन 9.00%.

भारतीय रिज़र्व बैंक का नीति वक्तव्य

विकास के लिए मजबूत बैंकिंग प्रणाली पूर्व अपेक्षित आवश्यकताओं में से एक है. बैंकिंग प्रणाली के द्वारा अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य परिलक्षित होता है. अतएव भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय संकट की समयपूर्व पहचान और तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई हेतु कई कदम उठाएं हैं ताकि कार्पोरेट और वित्तीय संस्थाओं पर पड़ने वाले दबावों से निपटा जा सके जिससे कि न केवल प्रणाली के समुत्थान शक्ति उन्नत होगी बल्कि उधारदाताओं और निवेशकों के हितों की रक्षा भी होगी.

भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रमुख नीति दरों में निम्नतर मुद्रास्फीति के मद्देनजर दो बार कटौती करते हुए बाजार को आश्चर्यचकित किया. वित्तीय वर्ष 2015-16 में, बैंकों को यह कमी उधार दरों में संप्रेषित करने के योग्य होना चाहिए जिससे कि उत्पादक क्षेत्रों में वित्तीय स्थिति में सुधार हो.

बैंकिंग उद्योग की प्रवृत्तियां

वित्तीय वर्ष 2014-15, भारत में बैंकिंग क्षेत्र के लिए चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा. क्षीण ऋण वृद्धि और उच्च गैर निष्पादक आस्तियों के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के तुलन पत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ा है. जमाराशियों में वर्ष दर वर्ष वृद्धि 11.42% और साख में वर्ष दर वर्ष वृद्धि 9.52% दर्ज की गई जो कि पिछले वित्त वर्ष में 14.30% वृद्धि से कम दर्ज हुई.

विकास के परिदृश्य में क्रमश: सुधार हो रहा है. वर्ष 2015-16 के लिए, आर्थिक वृद्धि में अपेक्षित सुधार और निम्न मुद्रास्फीति के कारण उच्च उपभोगीय आय, साख और जमा में वृद्धि क्रमश: 14-16% और 13-15% अपेक्षित है.

बैंक का निष्पादन

वित्तीय वर्ष 2014-15 की आपके बैंक के निष्पादन की प्रमुख बातें निम्नलिखित हैं:

- बैंक का कुल कारोबार 31 मार्च 2014 के ₹ 1,88,650 करोड़ के स्तर से बढ़कर 31 मार्च 2015 में ₹ 1,96,565 करोड़ की नई ऊंचाई पर पहुंच गया.
- कुल जमा राशियां 31 मार्च 2015 को ₹ 1,15,936 करोड़ के स्तर पर पहुंच गई जबकि 31 मार्च 2014 में वह ₹ 1,10,028 करोड़ थी. इस प्रकार 5.37% की वृद्धि दर्ज की गई. तथापि, वर्ष के दौरान बैंक की औसत जमाराशि वृद्धि 11.43% थी.
- बैंक के कुल अग्रिम 31 मार्च 2015 को ₹ 80,629 करोड़ हो गए जबकि मार्च 2014 में वह ₹ 78,622 करोड़ थे. इस प्रकार 2.55% की वृद्धि दर्ज की गई. तथापि, वर्ष के दौरान बैंक की औसत अग्रिम वृद्धि 12.37% थी.
- इस वर्ष कम साख उठाव में भी बैंक ने अर्थव्यवस्था के अत्यावश्यक क्षेत्रों जैसे कि कृषि, एम.एस.एम.ई. तथा रिटेल को साख प्रदान करने में प्रभावशाली निष्पादन दर्ज किया. प्रत्यक्ष कृषि, एम.एस.एम.ई. और रिटेल क्षेत्र में बैंक साख में क्रमश: 19.24%, 15.42% और 12.41% की वृद्धि हुई.
- बैंक की अल्प लागत कासा जमाराशियां वर्ष दर वर्ष के आधार पर 4.23% बढ़कर ₹ 32,121 करोड़ हो गई जो कि कुल जमाराशियों का 27.82% है.
- वर्ष 2014-15 में कुल आय में 5.41% की वृद्धि दर्ज के साथ ₹11,485 करोड़ रही जबकि पिछले वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान अर्जित आय ₹ 10,895 करोड़ थी.
- कारोबार चक्र में गिरावट के रहते हुए भी आपके बैंक ने निबल लाभ ₹ 265.48 करोड़ दर्ज किया.
- मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी है कि निदेशक मंडल ने वर्ष 2014-15 के लिए 9% के लाभांश की संस्तुति की है.

आस्ति गुणवत्ता

- 31 मार्च 2014 के सकल एन.पी.ए. ₹ 2616 करोड़ के मुकाबले 31 मार्च 2015 को सकल एन.पी.ए. ₹ 4393 करोड़ रहा. प्रतिशतता के रूप में यह 3.33% के मुकाबले 5.45% हो गया.
- गत वर्ष के निवल एन.पी.ए. ₹ 1819 करोड़ के मुकाबले 31 मार्च 2015 को निवल एन. पी.ए. ₹ 3014 करोड़ रहा. प्रतिशतता के रूप में यह पिछले वर्ष 2.35% के मुकाबले 3.82% हो गया.

पूंजी पर्याप्तता मानदंड

- बेसल III के अंतर्गत पूंजी की जोखिम (भारित) आस्ति अनुपात (सी.आर.ए.आर.), 9% आवश्यकता के समक्ष 31 मार्च 2015 को 10.93% रहा जबकि 31 मार्च 2014 को यह 11.47% था.
- बैंक का टीयर I सी.आर.ए.आर. 31 मार्च 2014 के 7.43% से बढ़कर 31 मार्च 2015 को 7.67% हो गया.

शाखा विस्तार

आपके बैंक ने 106 नई शाखाएं खोल कर देश के विभिन्न स्थानों पर पहुंच बढ़ाई और 31 मार्च 2015 को बैंक की कुल शाखाओं की संख्या 1739 है.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

मानव संसाधन प्रबंधन

वर्ष के दौरान बैंक ने 447 परिवीक्षाधीन अधिकारी, 115 विशेषज्ञ अधिकारी, 506 लिपिक और 234 अधीनस्थ कर्मचारी भर्ती किए. 31 मार्च 2015 को बैंक की स्टाफ शक्ति 13,632 है.

टेक्नोलॉजी के माध्यम से रूपांतरण

आपका बैंक, ग्राहकों को मूल्य आधारित उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार तकनीकी को अपना रही है.

ई-स्मार्ट ग्राहक सुविधा केंद्र की स्थापना इस प्रकार का एक प्रयास है. ई-स्मार्ट ग्राहक सुविधा केंद्र में, ग्राहक नकद राशि जमा कर सकता है, चेक जमा कर सकता है, पासबुक प्रिंट कर सकता है, नकदी निकाल सकता है तथा अपने खाते को 24*7 आधार पर इंटरनेट बैंकिंग सुविधा के माध्यम से पहुंच सकते हैं. 31 मार्च 2015 तक बैंक ने 17 ई स्मार्ट ग्राहक सेवा केंद्र स्थापित किए है बैंक की मार्च 2016 तक इसकी संख्या बढ़ाकर 200 तक करने की योजना है.

वर्ष के दौरान बैंक ने अपने एटीएम नेटवर्क को बढ़ाया और 31 मार्च 2015 के अनुसार बैंक के 1357 आन साईट एटीएम और 125 आफ साईट एटीएम हैं.

वर्ष के दौरान लाए गए अन्य उत्पादों में, मोबाइल बैंकिंग के द्वारा यू.एस.एस.डी. प्लेटफार्म का उपयोग करते हुए निधियों का धन-प्रेषण; कस्टम शुल्क का ई-भुगतान और आटोमेटिक बिल भुगतान सुविधा शामिल हैं.

समावेशित संवृद्धि

समावेशित संवृद्धि समय की मांग है और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में से एक है. आपके बैंक ने, गरीब, पददलित और उपेक्षित वर्ग को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के क्षेत्र में काफी अच्छा निष्पादन किया है. आपके बैंक ने सभी लक्ष्यों को पार किया; निष्पादन में से कुछ की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं :

- बैंक ने प्रधान मंत्री जन धन योजना (पी.एम.जे.डी.वाई.) के अंतर्गत 26.68 लाख खाते खोले जबकि 18.50 लाख का लक्ष्य दिया गया था और 25.84 लाख रुपे कार्ड भी जारी किए. बैंक ने पी.एम.जे.डी.वाई. में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति शाखा सबसे अधिक खाते खोले अर्थात अखिल भारतीय स्तर पर सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम बैंकों के औसत 2,032 खाते प्रति शाखा के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्र में 3,076 खाते खोले. बैंक ने अब 28.00 लाख खाते से भी अधिक खाते खोल लिए हैं.
- बैंक ने वित्तीय समावेशन के अंतर्गत आबंटित सभी 6439 गावों को शामिल किया.
- बैंक ने 6.07 करोड़ निवासियों हेतु आधार कार्ड जारी किए और यू.आई.डी.ए.आई. को गैर राज्य रजिस्ट्रार (एन.एस.आर.) में से उच्च स्थान प्राप्त किया. बैंक ने 2014-15 के दौरान इस गतिविधि रु. 58.98 करोड़ अर्जित किया.
- बैंक ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डी.बी.टी.) और एल.पी.जी. (डी.बी.टी.एल.) अर्थात पहल का आरंभ और कार्यान्वयन सफलतापूर्वक किया. 56 लाख रिकार्डों का प्रोसेस करके रु.156 करोड़ उपभोक्ताओं के खाते में जमा किए .
- बैंक ने 44.50 लाख बी.एस.बी.डी.ए. (मूल बचत बैंक जमा खाते) खोले और अंतरनिहित ओवरड्राफ्ट सुविधा प्रदान की.
- तीन सामाजिक सुरक्षा योजना यथा अटल पेंशन योजना (ए.पी.वाई.), प्रधान मंत्री जीवन ज्योति योजना (पी.एम.जे.बी.वाई.) और प्रधान मंत्री सुरक्षा योजना (पी.एम.एस. बी.वाई.) का आरंभ माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 9 मई 2015 को किया गया. हमारे बैंक ने, डी.एफ.एस. द्वारा आरंभ से पूर्व की अवधि दिनांक 01.05.2015 से 09.05.2015 हेतु 12 लाख के आबंटित लक्ष्य के मुकाबले 20 लाख आवेदन का रिकार्ड दर्ज किया.

भावी योजनाएं

भारत सरकार द्वारा हाल में किए गए पहल जैसे कि ''भारत में निर्माण''; ''कारोबार करने में आसानी''; ''ई-बिज परियोजना''; ''कौशल विकास''; ''सौ स्मार्ट शहर'' और ''सामाजिक सुरक्षा तंत्र'' के दृष्टिगत, घरेलू समष्टि आर्थिक मापदण्डों हेतु दृष्टिकोण सामान्यतया आशावादी है और वित्तीय वर्ष 2015-16 में 8.50% के करीब संवृद्धि की संभावना है.

तद्नुसार, बैंक 15% की साख वृद्धि, जमाराशि में वृद्धि 13% और निबल ब्याज अंतर 2.50% और 2.75% के दायरे का लक्ष्य रख रही है.

ग्राहक तक पहुंच को विस्तार देने के दृष्टिगत, यह योजना है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में 404 नई शाखाएं खोली जाएं.

बैंक आस्ति संविभाग के परिमाण को बढ़ाने और गुणवत्ता सुधारने के लिए कृषि, रिटेल और एम.एस.एम.ई. क्षेत्रों, ऋण प्रोसेसिंग केंद्रो को मजबूत बनाने पर ध्यान देना जारी रखेगा और गैर निष्पादक आस्तियों जिसमें ए.आर.सी. को गैर निष्पादक आस्तियां प्रदान करना शामिल है पर विशेष ध्यान देगा.

आभार

व्यक्तव्य समाप्त करने के पूर्व, मैं बैंक के सम्मानित ग्राहकों, शेयरधारकों तथा शुभचिंतकों को बैंक की प्रगति में उनके महत्त्वपूर्ण उपकार के लिए अपना धन्यवाद व्यक्त करता हूं तथा भविष्य में भी उनके सतत् समर्थन एवं सहयोग की अपेक्षा करता हूं.

मैं भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक और सेबी से प्राप्त समयोचित सलाह, महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता हूं.

बैंक के निदेशक मंडल से प्राप्त महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन, समर्थन और सहयोग के लिए भी अपना आभार व्यक्त करता हूं.

मैं वित्तीय संस्थानों / बैंकों और प्रतिनिधियों के प्रति भी बैंक को उनके द्वारा दिए गए सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद व्यक्त करता हूं.

स्टाफ सदस्यों के सभी स्तरों पर दिए गए महत्त्वपूर्ण योगदान के प्रति भी मैं आभार व्यक्त करता हूं, जिनके सहयोग के बिना बैंक द्वारा की गई प्रगति संभव नहीं होती.

मैं आगामी वर्षों में बैंक के त्वरित कारोबार विकास तथा प्रगति में बैंक के शेयरधारकों से निरंतर सहयोग की आशा रखता हूं.

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से
कृते देना बैंक

(अश्वनी कुमार)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : मुंबई
दिनांक : 23 मई 2015